Shri Radhavarashtakam



Document Information

Text title : Radhavara Ashtakam 3
File name : rAdhAvarAShTakam.itx

Category : vishhnu, aShTaka, rAdhA, nimbArkAchArya

Location : doc_vishhnu
Author : Nimbarkacharya

Latest update : January 13, 2019

Send corrections to : sanskrit at cheerful dot c om

This text is prepared by volunteers and is to be used for personal study and research. The file is not to be copied or reposted without permission, for promotion of any website or individuals or for commercial purpose.

Please help to maintain respect for volunteer spirit.

Please note that proofreading is done using Devanagari version and other language/scripts are generated using **sanscript**.

September 16, 2023

sanskritdocuments.org



Shri Radhavarashtakam

श्रीराधावराष्टकम्



चतुर्मुखादिसंस्तुतं समस्तसात्वतानुतम् । हलायुधादिसंयुतं नमामि राधिकाधिपम् ॥ १॥

बकादिदैत्यकालकं सगोपगोपिपालकम् । मनोहरासितालकं नमामि राधिकाधिपम् ॥ २॥

सुरेन्द्रगर्वभञ्जनं विरिश्चमोहभञ्जनम् । व्रजाङ्गनानुरञ्जनं नमामि राधिकाधिपम् ॥ ३॥

मयूरिपच्छमण्डनं गजेन्द्रदन्तखण्डनम् । नृशंसकंसदण्डनं नमामि राधिकाधिपम् ॥ ४॥

प्रदत्तविप्रदारकं सुदामधामकारकम् । सुरुद्रमापहारकं नमामि राधिकाधिपम् ॥ ५॥

धनञ्जयाजयावहं महाचमूक्षया वहम् । पितमहव्यथापहं नमामि राधिकाधिपम् ॥ ६॥

मुनीन्द्रशापकारणं यदुप्रजापहारणम् । धराभरावतारणं नमामि राधिकाधिपम् ॥ ७॥

सुवृक्षमूलशायिनं मृगारिमोक्षदायिनम् । स्वकीयधाममायिनं नमामि राधिकाधिपम् ॥ ८॥

इदं समाहितो हितं वराष्टकं सदा मुदा । जपञ्जनो जनुर्जरादितो द्वतं प्रमुच्यते ॥ ९॥

इति श्रीनिम्बार्काचार्यविरचितं श्रीराधावराष्टकं सम्पूर्णम् । राधिकाधिपाष्टकम्

श्रीराधावराष्टकम्

→0**○**0**○**0**○**

Shri Radhavarashtakam

pdf was typeset on September 16, 2023

→○**○**○○

Please send corrections to sanskrit@cheerful.com

